हिन्दी विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय एवं
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में
आयोजित

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

नाट्य शास्त्र

(11–17 फरवरी, 2017)

कार्यशाला स्थल : सेमिनार हॉल, स्वराज सदन, म॰द॰वि॰ रोहतक

हिन्दी विभाग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक–124001

(A State University established under Haryana Act No. 25 of 1975)

NAAC Accredited 'A' Grade

कार्यशाला–संरक्षक

प्रोफेसर बिजेन्द्र कुमार पूनिया

माननीय कुलपति

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

कार्यशाला निदेशक

डॉ॰ भरत गुप्त

सदस्य – इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली

कार्यशाला आयोजक

डॉ॰ रामरती

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

(09416763839)

कार्यशाला संयोजक

डॉ॰ माया मलिक

प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

(09034444165)

हिन्दी विभाग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक–124001

(A State University established under Haryana Act No. 25 of 1975)

NAAC Accredited 'A' Grade

विषय परिचय

नाट्य संबंधी नियमों की संहिता का नाम नाट्यशास्त्र है। भारतीय परंपरा के अनुसार नाट्यशास्त्र के आद्य रचयिता स्वयं प्रजापति माने गए हैं और उसे 'नाट्यवेद' कहकर नाट्यकला को विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया है।

संगीत, नाटक और अभिनय के संपूर्ण ग्रंथ के रूप में भरतमुनि के नाट्य शास्त्र का आज भी बहुत सम्मान है। उनका मानना है कि नाट्यशास्त्र में केवल नाट्य रचना के नियमों का आकलन नहीं होता बल्कि अभिनेता रंगमंच और प्रेक्षक इन तीनों तत्वों की पूर्ति के साधनों का विवेचन होता है। 37 अध्यायों में भरतमुनि ने रंगमंच, अभिनेता, अभिनय, नृत्यगीतवाद्य, दर्शक, दशरूपक और रस निष्पत्ति से संबंधित सभी तथ्यों का विवेचन किया है। भरत के नाट्य शास्त्र के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि नाटक की सफलता केवल लेखक की प्रतिभा पर आधारित नहीं होती बल्कि विभिन्न कलाओं और कलाकारों के सम्यक् सहयोग से ही होती है।

जिस प्रकार परम पुरुष के निःश्वास से निःसृत वेदराशि के द्रष्टा विविध ऋषि प्रकल्पित हैं उसी तरह महादेव द्वारा प्रोक्त नाट्यवेद के द्रष्टा शिलाली, कृशाश्व और भरतमुनि माने गए हैं। शिलाली एवं कृशाश्व द्वारा संकलित नाट्य संहिताएँ आज उपलब्ध नहीं है, केवल भरत मुनि द्वारा प्रणीत ग्रंथ ही उपलब्ध हुआ है जो 'नाट्यशास्त्र' के नाम से प्रचलित है। इसका प्रणयन संभवतः कश्मीर देश में हुआ।

कार्यशाला का उद्देश्य

भारतीय साहित्य, संगीत, कला एवं संस्कृति ने सम्पूर्ण विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित किया था। आज उस संस्कृति की पुनर्स्थापना एवं उसकी महत्ता के पुनः प्रचार की आवश्यकता है क्योंकि आज के भौतिकतावादी युग में सांस्कृतिक मूल्य तिरोहित हो रहे हैं। ये परम सौभाग्य है कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का आज के बाजारवादी एवं उपभोक्तावादी युग में भी भारत की सांस्कृतिक परम्पराएँ जीवित हैं और आधुनिक विश्व के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं।

पंचम वेद के रूप में विख्यात नाट्यशास्त्र भारतीय साहित्य, संगीत, संस्कृति एवं कला का प्रतिनिधि ग्रंथ है। जो साहित्य, संगीत एवं कला प्रेमियों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसीलिए विभाग ने इस विषय पर एक कार्यशाला आयोजित करने का विचार किया।

नाट्यशास्त्र जैसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ की समग्र व्याख्या, विश्लेषण, संश्लेषण तथा ज्ञान पिपासुओं की जिज्ञासा शमन हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त नाट्य शास्त्र के गहन अध्येता विशेषज्ञ विद्वान डॉ॰ भरत गुप्त इस कार्यशाला बतौर वक्ता शिरकत करेंगे।

पंजीकरण शुल्क

शिक्षाविद : 1,500/–

शोधार्थी : 1,000/–

विश्वविद्यालय–परिचय

प्रसिद्ध समाज सुधारक महर्षि दयानन्द के नाम पर आधारित महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक हरियाणा में स्थित यू॰जी॰सी॰ नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त अत्याधुनिक सुविधाओं एवं उपकरणों से युक्त प्रकृति की गोद मे स्थापित ऐसा विश्वविद्यालय है जो शिक्षा, शोध एवं खेलकूद के क्षेत्र में अपनी महती उपलब्धि रखता है।

विश्वविद्यालय में 12 शैक्षणिक भवन एवं 18 छात्रावास हैं जिनमें 38 विभागों के छात्र अध्ययन एवं शोध–कार्य में संलग्न है।

विश्वविद्यालय में देश एवं समाज की महत्वपूर्ण हस्तियों के नाम पर 9 शोध पीठ स्थापित हैं जिनमें उत्तम शोध–कार्य करवाया जा रहा है।

खेलों के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय के सैंकड़ों छात्रों ने राष्ट्रीय–अन्तरराष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर पर पहचान बनाई है।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय कानून एवं प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र, गुरुग्राम तथा दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के माध्यम से विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की उत्तम शिक्षा प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय, टैगोर सभागार, राधाकृष्णन सभागार, छात्र गतिविधि केन्द्र, कैम्पस स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, फैकल्टी हाउस, खेल परिसर, तैराकी स्थल तथा मंगलसेन जिम्नेजियम हॉल के साथ–साथ अनेक सुविधाओं से युक्त है।

पंजीकरण फॉर्म

Self Attestd
Passport size
Photograph

1 प्रतिभागी का नाम :.....
2 पिता का नाम : .....
3 लिंग : .....
4 पदनाम : .....
5 संस्था : .....
6 पत्राचार का पता : .....

.....

.....

मोबाइल नं॰ .....ई–मेल .....

7 आवास आवश्यकता (हाँ/नहीं): .....
8 प्रस्थान स्थल ..... गन्तव्य स्थल.....
टिकट सं॰/श्रेणी..... टिकट पर व्यय की गई राशि .....
9 प्रतिभागी के बैंक का नाम : .....

बैंक का पता : .....

खाता सं॰ : .....

IFSC Code : .....

मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा उपरोक्त वर्णित की गई जानकारी सत्य एवं सही है।

स्थान :
दिनांक :

(हस्ताक्षर)

निर्देश :

1 प्रतिभागियों की ठहरने एवं खान–पान की व्यवस्था हिन्दी विभाग द्वारा निःशुल्क की जाएगी।
2 प्रतिभागियों को यात्राभत्तें का भुगतान उनके खातों में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्रदिल्ली द्वारा किया जाएगा। यात्राभत्ता द्वितीय/तृतीय ए॰सी॰ श्रेणी का ही देय होगा।
3 प्रतिभागी को अपना पंजीकरण फॉर्म दिनांक **30.01.2017** तक Hod.Hindi@mdurohtak.ac.in पर भेजना अनिवार्य है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त फॉर्म स्वीकार नहीं किये जाऐंगें।
4 प्रतिभागियों के चयन का अधिकार कार्यशाला संयोजक के पास रहेगा।
5 चयनित प्रतिभागियों को उनके द्वारा दिये गए मोबाइल नं॰/ई–मेल द्वारा सूचित किया जाएगा।
6 प्रतिभागियों का पंजीकरण कार्यशाला स्थल पर ही किया जाएगा।
7 प्रतिभागी रहने की व्यवस्था हेतु निम्न कमेटी से सम्पर्क करें –

डॉ॰ कृष्णा देवी	: 09416484744
श्री धर्मबीर	: 09050235589
सुश्री विनीता	: 08813075966
सुश्री श्रुति सुधा आर्या	: 09896033649
सुश्री कमलेश	: 09050100575